मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

Website : www.metrodinank.com
Email : metrodinank@gmail.com

संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी

RNI No. : MAHHIN/2009/35355 POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20

वर्ष : ०९ अंक :३९ मुंबई, शुक्रवार, १२ जुलाई से १८ जुलाई २०१९ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

संक्षिप्त समाचार

केडीएमसी के ४२ कामगार मिले गैरहाजिर

कल्याण: सोमवार को स्थायी समिति के सभापति दीपेश म्हात्रे और नगरसेवक विश्वनाथ राणे डोंबिवली के खंबलपाडा डिपो में विजिट के लिए गए थे। वाहन चालक और कर्मचारी मिलाकर ४२ लोग हाजिरी लगाकर गायब थे। अब ऐसे कर्मचारियों के निलंबन की मांग की जा रही है। सभापति और नगरसेवक ने पाया कि कामगारों के रजिस्टर में दस्तखत हैं, लेकिन कर्मचारी मौजूद नहीं हैं। वहां से पता चला कि ४२ ऐसे कामगार हैं, जो कुछ ही घंटे नौकरी करते हैं और हाजिरी लगाकर चले जाते हैं। मामले की जांच के बाद कर्मचारियों पर कार्रवाई हो सकती है।

मजदूर की मौत के मामले में केस दर्ज

भिवंडी: नारायण कंपाउंड स्थित ऋषभ सायजिंग की लिफ्ट टूटने से एक मजदूर की मौत हो गई थी। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने सायजिंग के मालिक, उसके मैनेजर एवं लिफ्ट की देखभाल करने वाले इंजिनियर के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, ऋषभ सायजिंग की दूसरी मंजिल पर लिफ्ट से यार्न ले जाते समय सुभाषनगर के रहने वाले मजदूर गुलबहार खान (३८) की मौत हो गई थी।

काल्हेर में होटल मालिक की हत्या

भिवंडी : काल्हेर स्थित दीप लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स में मजदूरों के खाने के लिए होटल चलाने वाले एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। आरोपी कमरे को बाहर से बंद करके फरार हो गया था। आशंका व्यक्त की जा रही है कि मजदूरों से विवाद के कारण होटल चलाने वाले की हत्या की गई होगी। पुलिस के अनुसार, मुरबाड निवासी सदानंद भोईर दीप लक्ष्मी कॉम्पलेक्स में रहता था। वह पास में ही गणेश भुवन होटल चलाता था। यहां गोदामों में काम करने वाले मजदूर खाने के लिए आते थे।

सूया नदी में डूबा, वैतरणा से शव बरामद

पालघर: मनोर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के काटाले स्थित सूर्या नदी में मछली पकड़ते समय तेज बहाव में लापता हुए युवक का शव पुलिस ने ३ दिन बाद वैतरणा नदी से बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, मनोर के काटाले, वांदिवली स्थित मोरीपाडा निवासी दिलीप बारकु भगत (३६) ४ जुलाई को सूर्या नदी में मछली पकड़ने गया था। नदी में पानी तेज होने के चलते वह बह गया।

हत्या का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

ठाणे: अवैध संबंध के चलते पिछले महीने हुई महिला की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए ठाणे ग्रामीण पुलिस ने फरार आरोपी आलम शेख को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। आरोपी चिकन बेचता था और घटनास्थल से एक बोरी में मुर्गी के पंख मिले थे। इसी सुराग के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। पुलिस को २३ जून को खडवली मार्ग स्थित गांव के एक घर से महिला की अधजली लाश बरामद हुई थी। संदेह के आधार पर पुलिस ने टिटवाला और आस-पास चिकन विक्रेताओं से पूछताछ की। जांच में पता चला था कि मोनी (मृतका) आलम के संपर्क में थी। दोनों के बीच अवैध संबंध थे और महिला ने उससे करीब २ लाख रुपये लिए थे, जो वह लौटा नहीं रही थी।

अंडरवर्ल्ड से पीछा छूटा तो लोकल गुंडे-बदमाश होने लगे सक्रिय

फिल्म इंडस्ट्री में फिर दबंगई।

आये दिन मुंबई-ठाणे के कई शूटिंग स्थलों पर हो रही हैं मार-पीट की घटनायें

फोर लाइंस प्रोडक्शन के सेट पर शिवा नाम के गुंडे ने किया मार-पीट, धारदार हथियार से हमला कर कई वर्करों को किया घायल, दो वर्कर हुए लहुलुहान

मुंबई। गोरेगांव फिल्म सिटी में फोर लाइंस प्रोडक्शन कंपनी के सेट पर सोमवार ८ जुलाई को शिवा रमणा शेट्टी और रंजीत नाम के बदमाशों द्वारा धारदार हथियार से हमला कर कई वर्करों को घायल कर दिया गया। दो वर्कर बुरी तरह लहूलुहान हो गए.

बता दें कि शिवा रमणा शेट्टी पुलिस रिकार्ड में एक बहुत ही कुख्यात और वांछित अपराधी है और उस पर पहले से ही मार-पीट, लूट, हत्या का प्रयास, रंगदारी वसूली और गुंडा एक्ट में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। सन् २०१३ में भोईवाडा पुलिस स्टेशन में मकोका कोर्ट के अंतर्गत धारा ३९४,३९५,३४ सेक्शन ३-४ का केस दर्ज है। इसके बाद २०१४ में नालासोपारा पुलिस स्टेशन में शिवा रमणा शेट्टी के खिलाफ आईपीसी की धारा ३०७ और ३९७ का मामला दर्ज है और अभी भी विचाराधीन है।

२०१८ में दिंडोशी पुलिस स्टेशन में भी इसके खिलाफ दो मामले दर्ज हैं, जिनमें पहला सेक्शन १४१, १४३, १४७, १४९, ३२३, ३२४, ५०४ तथा ५०६ है। और दूसरा सेक्शन १४३, १४७, १४९, १२०बी. का मामला दर्ज है। इसके अलावा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिवा रमणा शेट्टी के खिलाफ मुंबई के अलग-अलग पुलिस थानों में १० से ज्यादा मुक़दमे दर्ज हैं. और सबसे महत्वपूर्ण बात ये है की शिवा रमणा शेट्टी ने पुलिस को अपने कई गलत पते दे रखे हैं. यह स्थाई रूप से कहाँ रहता है यह पुलिस को भी मालूम नहीं हैं.

यहां गौर करने वाली बात यह है कि पुलिस रिकार्ड में इतना कुख्यात अपराधी होने के बावजूद यह शिवा रमणा शेट्टी खुलेआम घूम रहा है और दहशत फैला रहा है। अगर जल्द ही इसपर कोई कार्यवाई नहीं हुई तो वो दिन दूर नहीं जब फिल्म इंडस्ट्री में फिर से एक बार अंडरवर्ल्ड की तरह दहशतगर्दी का साम्राज्य कायम हो सकता है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फेडरेशन के प्रमुख सलाहकार अशोक पंडित, गजेंद्र चौहान, शरद शेलार, प्रेसिडेंट बी.एन. तिवारी, जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे, ट्रेजरर तथा एशिया की सबसे बड़ी ट्रेड यूनियन 'फिल्म स्टूडियोज सेटिंग एंड अलाइड मजदूर यूनियन' के जनरल सेक्रेटरी गंगेश्वर लाल श्रीवास्तव (संजू) और अलाइड मजदूर यूनियन के ट्रेजरर राकेश मौर्या तथा बाकि सभी २८ यूनियन / असोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस तरह की घटनाओं पर चिन्ता जाहिर करते हुए कहा है कि जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, मुंबई पुलिस कमिश्नर, लॉ एंड आर्डर सेल मुंबई, फिल्म सिटी के एम.डी. और मुम्बई पुलिस की अपराध शाखा दहिसर जोन-१२ तथा फिल्म सिटी के आरे पुलिस स्टेशन के उच्चाधिकारियों से मुलाकात कर शूटिंग स्थल पर अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोकने और सेट पर मौजूद कलाकारों और वर्करों को सुरक्षा हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की जाएगी। मुलाकात की प्रक्रिया जल्द ही पूरी की जाएगी।

महीने भर में फिल्मी वर्करों पर हमले का यह दूसरा मामला है। इससे पहले घोड़बंदर ईलाके के आल्ट बालाजी के वेब सीरीज की शूटिंग के दौरान कलाकारों, टेक्नीशियनों और कामगारों के साथ लोकल लोगों के नाम पर कुछ असामाजिक तत्वों ने मार-पीट की थी जिसकी शिकायत कमिश्नर से लेकर मुख्यमंत्री तक की गयी थी और मुख्यमंत्री देवेंड फडणवीस ने सुरक्षा का आश्वासन भी दिया था। शिवा रमणा शेट्टी द्वारा सेट पर की गयी मार-पीट की घटना से यह साबित होता है कि अपराधियों में पुलिस और सरकार का कोई खौफ नहीं रह गया है और दिन प्रतिदिन उनके हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। बता दें कि सोमवार ८ जुलाई को गोरेगांव फिल्म सिटी में फोर लाइंस प्रोडक्शन कंपनी के सेट पर सेटिंग का कार्य चल रहा था। तभी शिवा रमणा शेट्टी अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और प्रोडक्शन कर्मचारियों से जबरन काम मांगने लगा ताकि उसे लड़ने का कोई बहाना मिल जाय। विरोध करने पर उसने सेट पर उपस्थित वर्करों पर किसी धारदार हथियार से हमले करना शुरू कर दिया। उसके हमले में कई वर्कर जख्मी हो गए। बालमुरुगन सुब्रमणियन बुरी तरह घायल होकर लहुलुहान हो गया और बाबू सुब्रमणियन को गंभीर अंदरूनी चोटें आयीं हैं. जिन्हे बाद मे हास्पिटल में ईलाज के लिए भर्ती होना पड़ा. घटना की सुचना मिलने पर आरे पुलिस ने घायलों के मेडिकल जाँच के बाद दो आरोपी शिवा रमन शेट्टी और रंजीत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ३०७ के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है. यहां गौर करने वाली बात ये हैं कि गोरेगांव फिल्म सिटी के गेट पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त होने के बावजूद कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कैसे वहां प्रवेश कर लिया। इस मामले में कहीं न कहीं पुलिस की भूमिका भी संदेहजनक लग रही है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी अपराधियों के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाई न होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहा है। फिल्म इंडस्ट्री से सम्बन्धित यूनियन और असोसिएशन के पदाधिकारियों ने सरकार और पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हुए कहा है कि यदि समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

डायरेक्टर असोसिएशन के प्रेसिडेंट तथा मुम्बई फ़िल्म फेडरेशन के प्रमुख सलाहकार अशोक पंडित ने ट्वविटर के माध्यम से घटना से सम्बंधित फोटो और विडिओ पोस्ट कर मुंबई पुलिस कमिश्नर से तत्काल एक्शन लेने की मांग की है.

राहुल ने किसानों की स्थिति को दयनीय बताया

राजनाथ बोले लंबे समय तक सरकार चलाने वाले जिम्मेदार

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल में किसानों की खुदकुशी का मुद्दा उठाते हुए बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि देश में अन्नदाताओं की स्थिति 'दयनीय' है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से जो वादे किए थे उन्हें पूरा करना चाहिए। इस पर रक्षा मंत्री और सदन के उपनेता राजनाथ सिंह ने कहा कि किसानों की इस स्थिति के लिए लंबे समय तक रहीं सरकारें जिम्मेदार हैं और नरेंद्र मोदी सरकार ने किसानों के हित में कई कदम उठाए हैं। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान गांधी ने किसानों का मुद्दा उठाया और कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र वायनाड में कर्ज की अदायगी नहीं कर पाने के कारण बुधवार को एक किसान ने खुदकुशी कर ली। केरल में पिछले डेढ़ साल में १८ किसान खुदकुशी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसानों से कर्ज वसूली के लिए नोटिए दिए जा रहे हैं। केरल की सरकार ने कर्ज वसूली पर रोक लगाने का आग्रह किया था, लेकिन केंद्र सरकार ने इस बारे में रिजर्व बैंक से नहीं कहा। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में मोदी सरकार ने ५.५ लाख करोड़ रुपये बड़े उद्योगपतियों के माफ किए, लेकिन किसानों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। गांधी ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि बजट में किसानों को राहत देने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच साल पहले किसानों से वादे किए थे, अब सरकार को उन वादों को पूरा करना चाहिए। इसके जवाब में राजनाथ सिंह ने कहा कि किसानों की जो हालत है वो पिछले कुछ साल में नहीं हुई। इस हालत के लिए लंबे समय तक सरकारों में रहने वाले लोग जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की खुदकुशी के सबसे ज्यादा मामले पहले की सरकारों के दौरान आये। हमारी सरकार ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने सहित कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से किसानों के हित में कई कदम उठाए गए जिनमें सभी किसानों को सालाना ६००० रुपये देने का कदम शामिल है। सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में किसानों की खुदकुशी के मामलों में कमी आई है। इसके बाद सत्तापक्ष और कांग्रेस के सदस्यों के बीच नोकझोंक देखने को मिली।

नहीं मिले फ्लैट, कंपनी की संपत्ति नीलाम कर ग्राहकों को लौटाए जाएंगे पैसे

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में धोखाधड़ी के आरोपी बिल्डर ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसकी संपत्ति नीलाम कर उपभोक्ताओं के पैसे वापस किए जाएंगे। मुंबई में इस तरह की कार्रवाई पहली बार की जा रही है। खबर के मुताबिक, बिल्डर ने ग्राहकों से पैसे लेकर फ्लैट देने का वादा किया था। तय अवधि के बाद भी कब्जा न मिलने पर फ्लैट खरीददारों ने इसकी शिकायत की जिसके बाद यह कार्रवाई की जा रही है। इस मद्देनजर बोरीवली के तहसीलदार ने बिल्डर के १२ करोड़ की संपत्ति के नीलामी का ऐलान किया है।

५६ लाख का फ्लैट,दिए ६० लाख

खबर के मुताबिक, शिकायतकर्ताओं ने साल २०१०-११ में गौरव डिस्कवरी से फ्लैट बुक किया था। बुकिंग एग्रीमेंट के मुताबिक, उन्हें साल २०१३-१६ तक फ्लैट पर कब्जा मिल जाना था। जनकल्याण नगर में २३ मंजिला प्रस्तावित बिल्डिंग अभी तक केवल १९ मंजिल तक ही बन सकी है। फ्लैट के लिए बुकिंग कराने वाले साईंनाथ सरोडे ने बताया कि यह अभी एक खोल भर है। अंदर का काफी काम बाकी है। उन्होंने बताया कि ५६ लाख के फ्लैट के लिए उनसे ६० लाख रुपये लिए गए हैं।

शिकायतकर्ता होंगे प्राथमिक लाभार्थी

सरोडे ने कहा कि उन्हें साल २०१५ में ही फ्लैट पर कब्जा मिल जाना था लेकिन जब इसमें देर हुई तब उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संपर्क साधना शुरू कर दिया। सरोडे समेत ७ उपभोक्ताओं ने इसके बाद महाराष्ट्र रियल एस्टेट रेगुलेट्री अथॉरिटी से संपर्क किया।

मामले में कार्रवाई करते हुए बोरीवली के

संपादकीय

बदलाव जरूरी

मानव जीवन में शिक्षा की कितनी आवश्यकता है यह आज के युग में बताने की जरूरत नहीं है और यही कारण है कि हमारे देश में जहां आजादी के बाद अशिक्षित लोगों

की तादाद बहुत ज्यादा थी, इस ओर विशेष ध्यान दिया गया और प्राथमिक स्तर तक की मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने का सिलसिला जो शुरू हुआ, वह अब तक जारी है। यही नहीं माध्यमिक स्तर और उच्चस्तर तक तमाम ऐसे व्यवस्थाएं और सहूलियतें है, जिसके बलबूते हर वर्ग के छात्रों के लिए शिक्षा का द्वार खुला है। इसके बाद शिक्षित वर्ग की संख्या में काफी सुधार हुआ अभी भी कमियां है, वह तेजी से भरी जा रही है। समय के अनुसार स्वरूप और आवश्यकताएं भी बदलती हैं और बदलनी भी चाहिए। इस दृष्टिकोण से हमारी सरकार का प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षा के ढांचे में अमूल चूल बदलाव का विचार काबिले तारीफ है। कारण आज और आज के तीन दशक पहले के समय में काफी कुछ बदला है, तो हम पुरानी लीक पर ही नहीं चल सकते। परंतु ऐसा करते समय आज की शिक्षा जगत की उन समस्याओं का भी ध्यान रखना होगा, उन चुनौतियों के बारे हमें भी सोचना होगा, जो पूरी व्यवस्था को ही पंगु बनाए हुए हैं। मसलन आज का जो प्रारूप है, जितने तरह की बोर्ड है, जिनमें देशी-विदेशी की भरमार है, निजी और सरकारी संस्थानों में जो फर्क है। विशेषकर प्राथमिक और माध्यमिक स्तर तक और विभिन्न राज्यों में एक ही स्तर की शिक्षा को लेकर जो असमानताएं है, वह दूर होना चाहिए। कारण यह सब मिलकर शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं और जो अंततः छात्र के भविष्य को प्रभावित करता है। यह बात किसी भी समझदार व्यक्तिकी समझ परे हो सकती है कि जब निजी संस्थानों की तुलना में सरकारी प्राथमिक विद्यालय और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक बेहतर प्रशिक्षित पदवीधर हैं और उन्हें अधिकांश की तुलना में भारी भरकम वेतन दिया जाता है, तो फिर उन्हें क्यों निजी की तुलना में दोयम दर्जे का माना जाता है और लोग ज्यादा शुल्क देकर और स्कूल और प्रबंधन की तमाम लटकों-झटकों को झेलकर भी लगभग मुफ्त मिलने वाली सरकारी शिक्षा को क्यों नहीं अपनाते, जबकि उच्च शिक्षा के स्तर पर ऐसी विकट स्थिति नहीं दिखाई देती। दोनों जगह पढ़ने वाले बच्चों के नजरिए और सामान्य ज्ञान में भी काफी कमी पाई जाती है, जो उक्त व्यवस्था का ही परिपाक है। इसलिए आवश्यकता अनुसार पाठम्यक्रम में बदलाव के साथ-साथ वांछित अनुशासन कैसे हो, कैसे छात्र को उदा स्तर की पाठम्यक्रमीय जानकरियों के साथ ऐसे उन तमाम जानकरियों से लैस किया जा सके, उनमें नैतिकता, समाज सेवा और देशप्रेम के ऐसे संस्कारों का बीजारोपण किया जाए कि जब वह दुनिया की बाजार में उतरें, तो उसका ध्येय सिर्फ पैसा कमाना न रह जाए। वह एक ऐसा नागरिक बनें, जो देश की, समाज की समस्याओं के प्रति संजीदा और उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील हो। साथ ही हर स्तर पर अध्यापकों की भी जवाबदेही सुनिश्चित हो और मान्यता और प्रदर्शन में वे निजी संस्थानों के समकक्ष क्यों नहीं हो सकते। इसका भी अध्ययन हो और उन कारकों को चिन्हित कर ऐसे प्रयास हों, जिससे निजी संस्थानों में भीड़ न दिखे और सरकारी संस्थान खाली न नजर न आएं, तभी बात बनेगी, सरकारी है, तो घटिया है, उसका स्तर ठीक नहीं है, जो यह धारणा हमारे समाज की बन गई है, उसे हर हाल में हटना चाहिए और यदि ऐसा होता है तभी बदलाव का मतलब है, नहीं तो हर प्रयासों की तरह यह भी निष्फल होगा।

गाजियाबाद मर्डर केस में खुलासा : पूरे परिवार की हत्या के पीछे पति-पत्नी और वो की कहानी

गाजियाबाद : न्यू शताब्दीपुरम में बीते शुक्रवार को पत्नी और तीन बेटियों की हत्या करने के बाद खुदकुशी करने वाले प्रदीप के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि इसी आरोपी का जिक्र प्रदीप ने अपने सुसाइड नोट में किया था। आरोपी ने भी कुबूल किया है कि प्रदीप की पत्नी के साथ उसके अवैध संबंध थे। प्रदीप ने पत्नी को कई बार समझाया, लेकिन वह घर छोड़कर अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी। इससे क्षुब्ध होकर प्रदीप ने इस अप्रत्याशित घटना को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नीरज कुमार जादौन ने बताया कि प्रदीप की पत्नी के प्रेमी कपिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह गोविंदपुरम में किराये के कमरे में रहता था। आरोपी के प्रदीप की पत्नी से अवैध संबंध थे। करीब एक वर्ष तक आरोपी पेइंग गेस्ट बनकर प्रदीप के घर में रहा था। प्रदीप को जब पत्नी पर शक हुआ तो उसने इसका विरोध किया, लेकिन कई बार समझाने के बाद भी पत्नी नहीं मानी। हालांकि बाद में प्रदीप की पत्नी ने उसे गोविंदपुरम में किराये पर कमरा दिलवा दिया था। दूसरी ओर प्रदीप इस गम में शराब का आदी हो गया। रोजाना शराब पीने के बाद घर में झगड़ा होने लगा था, जिससे रिश्तों में लगातार कड़वाहट बढ़ती जा रही थी। इसी वजह से प्रदीप ने तीनों बेटियों समेत पत्नी की हत्या कर अपनी जान दे दी। एसपी ने बताया कि प्रदीप की पत्नी अपना घर बेचकर प्रेमी कपिल के साथ रहना चाहती थी। इसकी भनक प्रदीप को लग गई थी।हर दिन १५ बार फोन करता था आरोपी : प्रदीप की पत्नी का प्रेमी रोजाना उसे १० से १५ बार कॉल करता था। जब वह आती थी तो लगातार फोन पर बात करती थी। इससे भी प्रदीप अंदर-अंदर ही घुटता रहता था। पत्नी को समझाता था, लेकिन उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। **प्रेमी को हर महीने १० हजार रुपये देती थी महिला**

पुलिस ने बताया कि प्रदीप की पत्नी १० हजार रुपये महीना अपने प्रेमी को खर्च के लिए देती थी। उसी ने ही उसकी नौकरी एम्स की कमला नेहरू नगर शाखा में लगवाई थी। आरोपी कपिल ने बताया कि वह मुझसे बेइंतहा मुहब्बत करती थी। इसी बात को लेकर प्रदीप की कई बार मुझसे कहासुनी हुई थी, लेकिन जब मैं उसे शराब पीने के लिए रुपये दे देता तो वह शांत हो जाता था।

प्रदीप ने जिस टेप को बेटियों के मुंह पर लगाकर हत्या की थी। वह टेप पत्नी का प्रेमी कपिल लेकर आया था। यह टेप उसने अपने दोस्त से दो महीने पूर्व मथुरा से मंगाया था। टेप को खरगोश के घरौंदे पर चिपकाने के लिए मंगाया गया था, लेकिन क्या पता था कि यही टेप पूरे परिवार का काल बनेगी। शराब के नशे में प्रदीप ने बेटियों के मुंह पर टेप लगाकर और पत्नी के सिर के हथौड़े से वारकर हत्या कर दी थी।

द्वारका में महिला को मारी गई गोली, हालत गंभीर, बदमाश फरार

दिल्ली : दिल्ली के द्वारका में एक महिला को हमलावरों ने दो गोली मार दी. द्वारका के सेक्टर-१२ में गुरुवार सुबह हुई इस वारदात में महिला गंभीर रूप से घायल बताई जा रही है. उसे हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. महिला को गोली मारने के बाद बदमाश फरार हो गए. मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. महिला का नाम किरन बाला है जो द्वारका सेक्टर १२ में रहती है. घटना के पीछे लूटपाट की मंशा जाहिर नहीं की जा रही है. होटल रेडिशन ब्लू के पास कार सवार इस महिला को गोली मारी गई है. बाइक सवार हमलावरों ने उसे गोली मार दी. पिछले महीने द्वारका में एक दंपति की हत्या कर दी गई थी. पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने कहा कि आरोपी विशाल ने कथित तौर पर दंपति की संपत्ति के लिए उनकी हत्या की. दृष्टिहीन शिक्षक हरि बल्लभ और उनकी पत्नी शांति देवी की मोहन गार्डेन एक्सटेंशन के उनके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई. बल्लभ एक स्कूल में शिक्षक थे. पुलिस के अनुसार, कॉल डिटेल और दूसरे साक्ष्यों की मदद से परिवार के परिचित विशाल पर निगाह रख गई. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'जांच के दौरान उसने खुलासा किया कि उसकी नजर दंपति की संपत्ति पर थी. उसने उनकी बेटी रुचि से शादी की बात की थी लेकिन दंपति ने उसका प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह पहले से शादीशुदा था. इसके बाद विशाल को लगा कि वह दंपति की संपत्ति में हिस्सा पाने में सफल नहीं होगा, इसलिए उसने, उनकी हत्या कर दी.'

तहसीलदार के घर ACB की छापेमारी, ९३.५ लाख रुपये बरामद

तेलंगाना : तेलंगाना में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई जारी है. एसीबी की टीम ने बुधवार देर रात रेड्डी जिले के तहसीलदार लावन्या के घर पर छापा मारा और ९३.५ लाख रुपए बरामद किए. इसके अलावा कई अहम दस्तावेज और भारी मात्रा में जेवरात भी बरामद किए गए. एसीबी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक बुधवार रात कार्रवाई की गई और भारी मात्रा में नकदी के साथ जेवरात भी बरामद किए गए. तहसीलदार का नाम लावन्या है जिनके खिलाफ

फोन या सोशल मीडिया पर मिले रेप की धमकी, तो ऐसे सिखाएं

कई बार महिलाओं और लड़कियों को सोशल मीडिया या फोन पर रेप करने या यौन हिंसा की धमकी दी जाती है. हालांकि कानून की जानकारी के अभाव में पीड़िता इसको बर्दाश्त करती रहती है और अपराधी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाती हैं.

ताजा मामला राजस्थान यूनिवर्सिटी का है, जहां पर करीब १५० महिला प्रोफेसरों को गुमनाम नंबर से फोन करके रेप की धमकी दी गई. हालांकि इस पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है. अगर कोई महिला या लड़की ऐसी किसी तरह की समस्या का सामना कर रही है, तो कानून का सहारा लेकर अपराधियों को सबक सिखा सकती है. इसके लिए क्या कानूनी कार्रवाई की जाए और क्या प्रावधान है.....आइए हम आपको विस्तार से बताते हैं..... आईपीसी के तहत दर्ज कराएं शिकायत सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट आदित्य सिंह के मुताबिक अगर कोई फोन करके या मैसेज करके या फिर सोशल मीडिया पर किसी महिला या लड़की को रेप या यौन हिंसा की धमकी देता है, तो यह अपराध है. इसके लिए भारतीय दंड सहिंता यानी आईपीसी की धारा ३५४, ५०६ और ५०९ के तहत पुलिस में शिकायत की जा सकती है. इसके

साथ ही इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट यानी आईटी एक्ट २००० की धारा ६७ के तहत भी मामला दर्ज कराया जाता है. अगर पीड़ित महिला अपराधी को जानती है, तो उसके नाम यह केस दर्ज किया जाएगा. यदि अपराधी की पहचान नहीं हो पाई है, तो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा. इसके बाद पुलिस मामले की जांच करेगी और आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजेगी.

क्या है सजा का प्रावधान

सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट आदित्य सिंह का कहना है कि ऐसे अपराधी को आईपीसी की धारा ३५४ के तहत ३ वर्ष के कठोर कारावास की सजा और जुर्माना हो सकती है. इसके साथ ही आईपीसी की धारा ५०६ के तहत २ वर्ष की सजा और ५०९ के तहत ३ वर्ष की सजा व जुर्माना दोनों का प्रावधान है.

एडवोकेट आदित्य सिंह ने बताया कि ऐसे मामलों में आईटी एक्ट २००० की धारा ६७ के तहत भी अपराधी को सजा मिलती है. इस धारा के तहत पहली बार ऐसा अपराध करने पर ३ साल की सजा और पांच लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है, जबकि दोबारा ऐसा अपराध करने पर ५ साल की जेल और १० लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है.

महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाले वाले अपराधों की शिकायत महिला आयोग में भी की जा सकती है. इसके बाद महिला आयोग पीड़िता की सहायता के लिए सामने आता है और अपराधी को सजा दिलाने की कोशिश करता है.

बिजनौर में मदरसे से अवैध हथियार बरामद, ६ लोग गिरफ्तार

यूपी : उत्तर प्रदेश के बिजनौर के शेरकोट इलाके में स्थित एक मदरसे से जुड़ा बड़ा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है. पुलिस ने बुधवार को यहां के 'मदरसा दारूल कुरआन हमीदया' पर छापेमारी की और बड़ी मात्रा में अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया. मदरसे पर पुलिस की छापेमारी से इलाके में हड़कंप मच गया. इससे मौके पर आस-पास के लोगों की भीड़ जुट गई. पुलिस ने मदरसे से ६ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, सभी से पूछताछ की जा रही है.

अवैध हथियारों के अलावा एक सफेद रंग की गाड़ी को भी जब्त किया है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि मदरसे में हिकमत की आड़ में हथियार सप्लाई किए जाते थे. इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के कनोजिया ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि इस मदरसे में कुछ असामाजिक तत्व आते-जाते हैं. इस आधार पर मदरसे पर छापेमारी की गई और मदरसा परिसर की तलाशी ली. उन्होंने बताया कि छापेमारी में पुलिस को मदरसे से ५ अवैध पिस्टल और कई जिंदा कारतूस मिले. अबतक ६ लोगों को गिरफ्तार किया गया. मामले में आगे की जांच जारी है.

'मदरसा दारूल कुरआन हमीदया' बिजनौर जिले के शेरकोट इलाके में कंदला रोड स्थित पर है. इस मदरसे में कई बच्चे पढ़ने आते थे लेकिन बुधवार को यहां पुलिस की छापेमारी से हड़कंप मचा रहा. मदरसे के बाहर आस-पास के लोगों की भीड़ जमा हो गई. हर कोई हैरान था कि इस मदरसे में बच्चे पढ़ते थे और वहीं से अवैध हथियार मिले. पुलिस को छानबीन के दौरान मदरसे से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए. पुलिस को मदरसे से ५ पिस्टल और कई कारतूस मिले हैं. इसके अलावा मदरसे से एक कार भी मिली है. पुलिस मामले के हर एंगल को ध्यान में रखकर जांच में जुटी है.

आधार कार्ड में हेराफेरी कर कोमल बन गई कामाक्षी, ये था प्लान

दिल्ली से लापता बीमा मैनेजर कोमल को गाजियाबाद पुलिस ने सोमवार रात बेंगलुरु से बरामद कर लिया। इस दौरान कोमल के पास से पुलिस को एक आधार कार्ड मिला है। इस आधार कार्ड में कोमल की ही तस्वीर लगी है, लेकिन नाम कामाक्षी है। पुलिस को आशंका है कि कोमल ने यात्रा के दौरान अपनी पहचान छिपाने के लिए आधार कार्ड में अपना नाम बदलवा दिया था। हालांकि यह बात सामने नहीं आ पाई की आधार कार्ड फर्जी है या ऑनलाइन उसमें नाम परिवर्तित कराया गया है।

कोमल के पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि पति के काम न करने से परेशान कोमल ने कई बार अपने परिजनों को भी अपनी परेशानी बताई थी, लेकिन परिजनों ने उसे ही समझाकर शांत कर दिया। इससे उसे लगा कि न ससुराल और न मायके में उसकी कोई सुनवाई हो रही है। इसके बाद उसने ब्रह्मकुमारी आश्रम जाकर जीवन व्यतीत करने की योजना बनाई थी। मंगलवार को गाजियाबाद

पुलिस ने कोमल को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मंगलवार रात परिजनों के साथ घर जा रही कोमल ने बताया कि उसके ससुराल वाले लगातार उसे प्रताड़ित कर रहे थे, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। उसने सारे खर्चे अपने वेतन से ही किए हैं।

शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हुई थी कोमल : दिल्ली के पांडव नगर में रहने वाले अभिषेक सिंह की पत्नी कोमल तालान (२९) बाराखंभा रोड स्थित एक निजी इंश्योरेंस कंपनी में ट्रेनिंग मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। शुक्रवार को कोमल अपने कार्यालय नहीं पहुंची तो परिजनों ने बाराखंभा रोड थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। शनिवार सुबह ११ बजे कोमल की कार लावारिस हालत में हिंडन बैराज के पास सड़क पर खड़ी मिली थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को भी सूचित कर दिया। कार में महिला का बैग और एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें महिला ने ससुराल में परेशान किए जाने का जिक्र किया था।

परिजनों ने पति पर मढ़े आरोप

कोमल के पिता अनिल का आरोप है कि अभिषेक का आचरण ठीक नहीं था, वह नौकरी भी नहीं करता था। कोमल के वेतन से ही अपना खर्च चलाता था। पिता अनिल ने बताया कि जब टी उनसे उत्पीड़न की शिकायत करती तो वे समझाते थे, जिससे उनका घर बसा रहे। अब वे बेटी को उस घर में कभी नहीं भेजेंगे।

''कोमल मुंबई से ट्रेन के जरिए कोएंबटूर जा रही थी। उसे बेंगलुरु में बरामद कर लिया गया। लड़की को परिजनों को सौंप दिया गया है। अब मजिस्ट्रेट के सामने लड़की के बयान दर्ज कराए जाएंगे।''

AAP विधायक प्रकाश जारवाल बोले- दक्षिणी दिल्ली में मुझ पर ३ गोलियां चलाई गईं, पुलिस ने किया दावे से इनकार

आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक प्रकाश जारवाल ने आरोप लगाया कि बुधवार को दक्षिणी दिल्ली के शनि बाजार क्षेत्र में एक कार्यक्रम के दौरान उन पर तीन गोलियां चलाई गईं। हालांकि पुलिस ने इस दावे से इनकार किया है। प्रकाश जारवाल ने दावा किया कि उन पर संगम विहार में भी रविवार को गोली चलाई गई। पुलिस ने बताया कि उन्हें इस घटना के संबंध में 'आप' विधायक की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। जारवाल ने दावा किया कि उन पर बुधवार को शराब का अवैध कारोबार करने वाले व्यक्ति ने गोली चलाई। वह तीन दिन से उनका पीछा कर रहा है। जारवाल का आरोप है कि पुलिस से सुरक्षा की मांग करने के बाद भी इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मेरी जिंदगी खतरे में है। मुझ पर रविवार को भी हमला हुआ और मैंने पुलिस को इस बारे में सूचना दी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। विधायक प्रकाश जारवाल ने कहा कि वह औपचारिक तौर पर पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराएंगे।

बच्चे को रिवॉल्वर भरना सिखाने वाला विडियो वायरल

कल्याण : महाराष्ट्र के कल्याण में एक व्यक्ति अपने ३ वर्षीय बेटे को रिवॉल्वर में कारतूस भरना सिखा रहा है, जिसका विडियो वायरल हो गया। विडियो वायरल होने के बाद बच्चे के पिता आदर्श उपाध्याय ने माफी मांग ली। आदर्श टिटवाला के एक बड़े स्कूल के ट्रस्टी और उद्योगपति हैं। इस समय वह दिल्ली में हैं। विडियो वायरल होने के बाद उपाध्याय ने माफी मांगते हुए कहा कि कोई भी इस तरह की ट्रेनिंग अपने बच्चों को न दे। बता दें कि वायरल विडियो पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। कुछ लोगों का कहना था कि उपाध्याय को जिस उम्र में बच्चे के हाथ में पेंसिल देनी चाहिए थी, वह उसे रिवॉल्वर से खेलना सिखा रहे हैं।

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर, इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो. ९८२१२८७९०५, ९३२२२४८३५३-९१६७००९६२९

Email : metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP

5 Year - 1000 Life time - 3000
Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। संपादक - दीनानाथ एम. तिवारी, कार्यकारी संपादक- कर्ण हिन्दुस्तानी, उपसंपादक- शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल संरक्षक- वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - चीफ एड डिपार्टमेन्ट- निलेश पांडे वितरक-सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280,
मो. 9821287905, 9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

शराब कारोबारी विजय माल्या को हाई कोर्ट से झटका

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट से शराब कारोबारी विजय माल्या को तगड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने संपत्ति की कुर्की के खिलाफ कार्रवाई पर रोक को लेकर माल्या की अपील को खारिज कर दिया है। इससे जांच एजेंसी की तरफ से माल्या के संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई की प्रक्रिया में अब कोई रूकावट नहीं है। माल्या ने पिछले महिने हाई कोर्ट में दायर अपनी अपील में संपत्ति को लेकर किसी भी तरह की कार्रवाई को रोकने की मांग की थी। इस अपील को न्यायमूर्ति अकील कुरैशी और न्यायमूर्ति एस जे कथावाला ने खारिज कर दिया। माल्या ने धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) से संबंधित विशेष अदालत में चल रही सुनवाई पर स्थगन देने का आग्रह किया था। माल्या ने अपनी अपील में कहा था कि या तो इस पर स्थगन दिया जाए या निचली अदालत द्वारा इस पर कोई फैसला या आदेश भगोड़े आर्थिक अपराधी कानून की वैधता को चुनौती देने वाली उनकी एक और याचिका पर अंतिम आदेश के आधार पर लागू हो। अदालत ने हालांकि कहा कि उसे माल्या को राहत देने की कोई वजह नजर नहीं आती। इस साल पांच जनवरी को विशेष पीएमएलए अदालत ने माल्या को भगोड़ आर्थिक अपराधी घोषित किया था। उसके बाद अदालत ने माल्या की संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की थी। माल्या ने इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करते हुए भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून की वैधता को चुनौती दी थी। यह याचिका उच्च न्यायालय में लंबित है।

गिरिराज सिंह के बयान पर सियासत गर्म

दो बच्चों से अधिक हों तो फांसी दे दो–आजम खान

पटना । केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री व बिहार के बेगूसराय से भारतीय जनता पार्टी के सांसद गिरिराज सिंह के विवादित बयान पर सियासत गर्म हो गई है। उन्होंने कहा है कि देश में हिंदू-मुस्लिम दोनों के लिए दो बच्चों का नियम होना चाहिए और जो इस नियम को नहीं माने उसका वोटिंग का अधिकार खत्म कर देना चाहिए। उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खान ने तंज कसा कि दो बच्चों से ज्यादा होने पर तो फांसी दे देनी चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर गिरिराज सिंह के बयान पर बिहार में सियासत गर्म हो गई है। बयान का समर्थन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में बीजेपी के सहयोगी जनता दल यूनाइटेड ने किया है तो विपक्षी महागठबंधन ने इसकी आलोचना की है।

बीजेपी विधायक सचिंद्र कुमार तथा जेडीयू विधायक ललन पासवान व ज्योति कुमार ले कहा है कि जनसंख्या नियंत्रण पर कानून देशहित में है। जनसंख्या पर नियंत्रण होना चाहिए।

उधर, राष्ट्रीय जनता दल विधायक भोला यादव ने गिरिराज सिंह के बयान को उनकी ओछी मानसिकता का परिचायक

बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति को केंद्र में मंत्री नहीं होना चाहिए। कांग्रेस के प्रेमचंद मिश्र ने कहा कि गिरिराज सिंह अनाप-शनाप बयान देते रहते हैं। यह मानवाधिकार हनन की बात है। हम किसी के बच्चों के कैसे नियंत्रित कर सकते हैं। गिरिराज के बयान पर सबसे कड़ी प्रतिक्रिया उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खान ने दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर वोटिंग का अधिकार क्या खत्म करना, फांसी दे देनी चाहिए। इसके बाद अगला बच्चा होगा ही नहीं।

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर गिरिराज सिंह ने कहा कि जनसंख्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी है और इससे संसाधन और सामाजिक समरसता को खतरा पैदा हो गया है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए सख्त कानून की जरूरत है। इसके लिए सड़क से संसद तक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा है कि देश में हिंदू-मुस्लिम दोनों के लिए दो बच्चों का नियम होना चाहिए और जो इस नियम को नहीं माने उसका वोटिंग का अधिकार खत्म कर देना चाहिए।

गिरिराज सिंह ने कहा कि वोट के ठेकेदारों ने जनसंख्या को धर्म से जोड़ दिया है। जनसंख्या नियंत्रण को इस्लामिक देश स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन भारत में इसे धर्म से जोड़ा जाता है। गिरिराज सिंह ने कहा कि जहां-जहां हिंदूओं की जनसंख्या गिरती है, वहां-वहां सामाजिक समरसता टूटती है।

खुले हुए गटर में गिरा ३ साल का बच्चा, सुरक्षित निकालने में जुटे बचावकर्मी

मुंबई : मुंबई में कई दिनों से जारी बारिश के बीच सड़कों पर खुले पड़े मेनहोल और नालियां लोगों के लिए खतरा बन गई हैं। गोरेगांव में बुधवार रात इसी कारण एक हादसे में एक ३ साल का बच्चा गटर में जा गिरा है जिसे बचाने की कवायद गुरुवार सुबह भी जारी है। हालांकि, करीब ११ घंटे से फंसे बच्चे को फिलहाल बाहर नहीं निकाला जा सका है।

खुला हुआ था गटर

घटना गोरेगांव ईस्ट के अंबेडकर नगर इलाके की है। यहां एक ३ साल का बच्चा सड़क पर जा रहा था। एक इलेक्ट्रिक बॉक्स के पीछे खुला हुआ गटर उसे दिखाई नहीं दिया और वह सीधे उसमें जा गिरा। हादसा बुधवार रात १०:२४ बजे हुआ। मौके पर मौजूद लोग और सूचना पाकर पहुंचे राहतकर्मी रात से ही उसे बचाने में जुटे हैं। हालांकि, फिलहाल कामयाबी नहीं मिल सकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गटर में बारिश के पानी के लगातार गिरने के कारण बहाव तेज है।

लोकतंत्र का गला घोंट रही है बीजेपी: अशोक चव्हाण

मुंबई : कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने बुधवार को बीजेपी पर कर्नाटक की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन के एक दर्जन से अधिक विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष अशोक चव्हाण ने कहा कि दक्षिणी राज्य में जो कुछ हो रहा है, वह देश में लोकतंत्र के लिए घातक है।

बता दें कि कांग्रेस के सात, जेडीएस के तीन और दो निर्दलीय विधायक कर्नाटक विधानसभा से इस्तीफा देने के बाद शनिवार से ही मुंबई में हैं और उन्होंने कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। वे मुंबई के एक आलीशान होटल में ठहरे हुए हैं। बुधवार को कांग्रेस के दो अन्य विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा।

पत्रकारों से बातचीत में अशोक चव्हाण ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि वह १३ महीने पुरानी कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार को अस्थिर करने की कोशिशों को बढ़ावा दे रहे हैं।

अवैध पार्किंग: १० हजार रुपए दंड लगाने का विरोध

मुंबई : मनपा प्रशासन द्वारा २३ जगहों पर पीपीपी मॉडल से पार्किंग सुविधा देकर अवैध रूप से पार्किंग करने वालों पर १० हजार रुपए दंड की शुरुआत रविवार से कर दी गई है। मनपा के इस दंडात्मक कार्रवाई का अब लोगों द्वारा विरोध होना शुरू हो गया है। बता दें कि मनपा ने मुंबई भर में वाहनों की पार्किंग के लिए बनाए पीपीपी मॉडल में तैयार किए पार्किंग स्थल के आस-पास अवैध रूप से गाड़ियों की पार्किंग करने पर १० हजार रुपए तक दंड लगाने का निर्णय लिया है, जिसकी शुरुआत रविवार से शुरू हो चुकी है। मनपा ने २३ पीपीपी मॉडल के पार्किंग स्थल से ५०० मीटर की दूरी तक कोई भी वाहन सड़क के किनारे खड़ा नहीं करने का निर्णय लिया है। मनपा अधिकारी ५०० मीटर तक के नियम को धता बताकर ९०० मीटर से लेकर एक किमी तक की दूरी तक गाड़ियां खड़ी नहीं करने का बोर्ड लगा दिए हैं। मनपा के इस मनमाने कार्य का स्थानीय स्तर पर भारी विरोध होने लगा है।

वर्ली में मनपा द्वारा किए जा रहे अवैध रूप से वसूली के खिलाफ स्थानीय लोगों ने भारी विरोध करते हुए रास्ता रोको आंदोलन किया। स्थानीय लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध में राकांपा नेता सचिन अहिर भी शामिल हुए। सचिन अहिर ने आरोप लगाया कि मनपा ने उन पुरानी इमारतों के पास भी वाहनों को पार्क करने पर रोक लगा दी है जिसके पास पार्किंग की व्यवस्था भी नहीं है।

मनपा ने ५०० मीटर की दूरी तक पार्किंग नहीं करने का निर्णय लिया है और ऐसा करने वाले वाहन चालक को दंडित किया जा रहा है, लेकिन मनपा के वार्ड के अधिकारी नियमों की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं और कहीं भी बोर्ड लगाकर वसूली शुरू कर कर रहे हैं, इस तरह का आरोप अहिर ने लगाया। वर्ली में स्थानीय निवासियों द्वारा किए गए आंदोलन में भारी संख्या में लोग मौजूद थे। इन लोगों ने रास्ता रोको कर घंटों ट्रैफिक जाम किया।

निंबालकर हत्याकांड : अन्ना हजारे अदालत में पेश

मुंबई : सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे कांग्रेस नेता पवनराजे निंबालकर की २००६ में हुई हत्या के मामले में सरकारी गवाह के तौर पर मुंबई की एक विशेष अदालत में मंगलवार को पेश हुए। लोकसभा के पूर्व सदस्य पद्मसिंह पाटिल इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। न्यायाधीश आनंद यावलकर की अदालत में हजारे ने अपनी गवाही में कहा कि पाटिल को बतौर निर्वाचित प्रतिनिधि जानते थे। हजारे ने अदालत से कहा, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप थे जिसे लेकर मैंने आंदोलन किया और उसके बाद सरकार ने इस मामले की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी बी सावंत की अगुवाई में एक आयोग बनाया। उन्होंने कहा, मुझे मीडिया के मार्फत पवनराजे निंबालकर की हत्या के

बारे में पता चला। मुझे मीडिया की एक खबर से यह भी पता चला कि मेरी हत्या करने के लिए शूटरों को सुपारी दी गई थी, जिसके बाद मैंने इस संबंध में पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। हजारे ने कहा कि शिकायत दर्ज करने से पहले उन्होंने सरकार को एक पत्र लिखा था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। हाल ही में शीर्ष अदालत ने बंबई उच्च न्यायालय के एक आदेश को खारिज करते हुए सीबीआई को हजारे को इस मामले में सरकारी गवाह बनाने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने पवनराजे निंबालकर की विधवा आनंद देवी निंबालकर की यह अर्जी खारिज कर दी थी कि हजारे को इस मामले में गवाह बनाया जाए। आनंद देवी ने अपनी अर्जी में दावा किया था कि हजारे एक अहम गवाह हैं क्योंकि उन्हें पवनराजे निंबालकर की हत्या के लिए मुख्य आरोपी और राज्य के पूर्व मंत्री पद्मसिंह पाटिल द्वारा रची गई साजिश की जानकारी थी। पवनराजे निंबालकर और उनके ड्राइवर समद काजी की तीन जून, २००६ को मुंबई-पुणे एक्सप्रेस राजमार्ग पर कलंबोली के समीप उनकी कार में हत्या कर दी गई थी। सीबीआई के अनुसार पाटिल ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की वजह से निंबालकर की हत्या की साजिश रची थी।

मराठा कोटे की नियुक्तियां होगी रद्द

मुंबई : सरकार ने मराठा कोटे के तहत खुले वर्ग से की गई अस्थाई नौकरियों को रद्द करने का निर्णय लिया है। इससे तकरीबन ३,००० लोगों का भविष्य अधर में लटक गया है। कोर्ट के आदेश के बाद मराठा कोटे के तहत खुले वर्ग से कांट्रेक्ट के आधार पर लोगों को नौकरियां दी गई थी। गुरुवार को राज्य सरकार एक आदेशानुसार ९ जुलाई, २०१४ से १४ नवंबर, २०१४ के बीच इन तीन महीने की अवधि में सरकारी नियुक्तियां एसईबीसी अर्थात मराठा उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित की गई है। दूसरी तरह इन अवधि में इनकी जगह पर खुले वर्ग से अस्थाई नियुक्तियों को खत्म करने के आदेश जारी किए गए हैं। इससे खुले वर्ग के उम्मीदवारों की सेवा अपने आप खत्म हो गई है।

बारिश के साथ बीमारियां भी आईं, बचने के लिए डॉक्टरों ने दिए ये सुझाव

मुंबई : महानगर में झमाझम बारिश हो रही है। इससे लंबे समय से जारी गर्मी और उमस से तो राहत मिली है, लेकिन अब मॉनसूनी समस्याएं यानी इस दौरान होने वाली बीमारियां पैर पसारने लगी हैं। महानगर के डॉक्टरों के अनुसार, पिछले १०-१५ दिनों में मच्छरजनित बीमारियों सहित पानीजनित बीमारियों के मामले बढ़ने लगे हैं। मॉनसून के दौरान होने वाली मुख्य बीमारियों में शामिल डेंगी, मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस न केवल घातक हैं, बल्कि जानलेवा भी हैं। पिछले साल मुंबई में डेंगी के एक हजार से अधिक मामले सामने आए थे, वहीं इस बीमारी के कारण १४ लोगों की मौत भी हुई थी। इस साल केवल जून की बात करें तो बीएमसी अस्पतालों में डेंगी के ९, जबकि मलेरिया के ३१० मरीज सामने आए थे। इसमें प्राइवेट अस्पतालों के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

हर दिन बढ़ रहे मामले

बॉम्बे अस्पताल के जनरल फिजिशन डॉ. अखिलेश शर्मा ने बताया कि बारिश के बाद से मच्छरजनित और पानीजनित बीमारियों के मामले सामने आने लगे हैं। परेशानी वाली बात यह है कि इनमें हर रोज इजाफा हो रहा है। संक्रमण रोग विशेषज्ञ डॉ. ओम श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश शुरू होने के पहले पखवाड़े में डेंगी का एकाध मरीज इलाज के लिए आता था, हालांकि अब हर हफ्ते ४-५ मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। चेंबूर स्थित जेन हॉस्पिटल के डॉक्टरों से मिली जानकारी के अनुसार, ७ जुलाई तक उनके पास भी डेंगी के १०, मलेरिया के २ और स्वाइन फ्लू के १६ मामले सामने आए हैं।

खानपान का रखें ध्यान, वरना होंगे बीमार

डॉक्टरों से मिली जानकारी के अनुसार, डेंगी, मलेरिया के अलावा पेट से संबंधित बीमारियों के मामलों में भी काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसमें गैस्ट्रो, हेपेटायटिस ए और ई मुख्य रूप से शामिल हैं। डॉ. ओम श्रीवास्तव ने बताया कि पेट से संबंधित बीमारियों की सबसे बड़ी वजह दूषित खाना और पानी है। बारिश के दौरान दूषित पानी की समस्या सहित दूषित खाने की भी समस्या काफी बढ़ जाती है, इसलिए जरूरी है कि आप जो भी खाएं, उसकी गुणवत्ता और सोर्स पर जरूर ध्यान दें। बेहतर होगा पानी उबालकर पीएं।

राकांपा विधायक बरोरा हुए शिवसेना में शामिल

मुंबई : राकांपा के शहापुर विधानसभा के विधायक पांडुरंग बरोरा राकांपा छोड़कर शिवसेना में शामिल हुए। बुधवार को शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बरोरा को शिवबंधन बांधकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर युवासेना प्रमुख आदित्य ठाकरे आदि मौजूद थे। मंगलवार शिवसेना के वरिष्ठ नेता और राज्य के सार्वजनिक बांधकाम मंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष हरिभाऊ बागड़े को विधायक पद से अपना इस्तीफा सौंपा था। इस्तीफा सौंपने के बाद से ही बरोरा की शिवसेना में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई थी। राकांपा प्रमुख शरद पवार के खास माने जाने वाले विधायक पांडुरंग बरोरा के शिवसेना में शामिल होने पर राकांपा को बड़ा झटका लगा है। आगामी विधानसभा चुनाव से ठीक तीन-चार महीने पहले पार्टी बदलने का सिलसिला शुरू हो गया है। बता दें कि इस साल सितंबर और अक्टूबर के बीच होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में भाजपा और शिवसेना जहां दोबारा सत्ता में आने की तैयारी में जुट गई हैं, वहीं लोकसभा चुनाव में करारी हार से घबराई विपक्षी पार्टी गुटबाजी से नहीं उबर पा रही है।

क्या सांसद और क्या अफसर, किसी से नहीं डरते फेरीवाले

कल्याण : कल्याण रेलवे स्टेशन (पश्चिम) का स्काइवॉक यात्रियों के लिए कम, फेरीवालों के इस्तेमाल के लिए ज्यादा है। यह बात तस्वीरों को देखकर साफ है। खास बात यह है कि फेरीवालों को न तो सांसद का डर है, न विधायक का। दोनों नेता दौरा करते हैं और उनके जाते ही दुकानें फिर सज जाती हैं। बता दें कि इसी रविवार को सांसद कपिल पाटील विधायक नरेंद्र पवार ने कल्याण-डोंबिवली मनपा (केडीएमसी) अधिकारियों के साथ स्काइवॉक का दौरा किया था। उनके दौरे के वक्त स्काइवॉक एकदम साफ था। लेकिन, अगले दिन ही फेरीवालों का जमावड़ा लग गया। लोगों का कहना है कि सांसद और विधायक का दौरा होने के बाद सिर्फ सोशल मीडिया पर ही सरगर्मी होती है, लेकिन असल तस्वीर कुछ और है। लोगों का आरोप है कि कल्याण-डोंबिवली मनपा और रेलवे पुलिस को फेरीवालों से हफ्ता मिलता है, जिसकी वजह से उनमें कोई डर नहीं है। बता दें कि कुछ समय पहले हफ्ते को लेकर गोलीबारी तक हो चुकी है।

विधायक के सामने सब चकाचक

कल्याण (पश्चिम) के विधायक नरेंद्र पवार जब भी स्काइवॉक को देखने के लिए आते हैं, उससे पहले उन्हें वहां फेरीवाले नहीं मिलते। बताया जा रहा है कि विधायक के आने सूचना एक दिन पहले ही फेरीवालों तक पहुंचा दी जाती है। बता दें कि स्काइवॉक पर फेरीवालों के अलावा, चेन स्नैचर्स और गर्दुल्लों का भी आतंक है। इसके अलावा, यहां हमेशा गंदगी रहती है। कल्याण रेलवे पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत माने ने कहा, 'जितना स्काइवॉक रेलवे के अंडर में है, वहां कोई फेरीवाला नहीं बैठता। केडीएमसी के तहत आने वाले हिस्से में कोई बैठता हो, तो यह जिम्मेदारी हमारी नहीं है।'

भारतीय सेना ने लौटाया पाकिस्तान से बहकर आए बच्चे का शव: प्रेस रिव्यू

गिलगिट : सात साल के बच्चे का शव पाकिस्तान से बहकर भारत के एक गांव आ गया था. जिसे भारतीय सेना ने बरामद किया और बाद में उसे पाकिस्तान सेना को सौंप दिया. इस खबर को इंडियन एक्सप्रेस ने सबसे प्रमुख खबर के तौर पर प्रकाशित किया है. सात साल के इस बच्चे का नाम आबिद शेख था. दिल छू लेने वाली ये घटना उत्तरी कश्मीर के गुरेज़ घाटी के अचूरा गांव की है. पूर्व विधायक नज़ीर अहमद गुरेज़ी

कहते हैं कि उन्होंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं देखा. यह घटना अचूरा गांव के कुछ लोगों ने देखा कि किशनगंगा नदी में एक शव तैर रहा है. कुछ ही घंटों में उन्होंने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित-बालिस्तान के मिनिमार्ग अस्तूर गांव के एक फ़ेसबुक पेज पर एक लापता बच्चे की तस्वीर पोस्ट की गई है. इसके अलावा फ़ेसबुक पर ही एक वीडियो भी पोस्ट किया गया था जिसमें पीड़ित परिवार ने बच्चे को वापस कर देने का आग्रह किया था. बांदिपोरा के डिप्टी कमीश्नर के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस ने लिखा है कि जैसे ही उन्हें इस मामले के बारे में पता चला उन्होंने सेना को सूचित किया.

चारा घोटाला मामले में लालू को मिली जमानत, पासपोर्ट जमा करने का आदेश

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू यादव को चारा घोटाले के देवघर कोषागार से अवैध निकासी मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को जमानत दे दी। कोर्ट ने आरजेडी सुप्रीमो को ५०-५० हजार के मुचलके पर जमानत दी। साथ ही कोर्ट ने उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराने का भी आदेश दिया। देवघर कोषागार मामले में सजा की आधी अवधि गुजर जाने को आधार बनाकर लालू की तरफ से जमानत याचिका दायर की गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने लालू यादव को

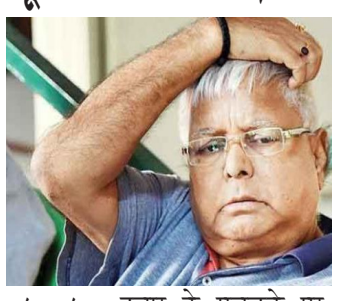

५०-५० हजार के मुचलके पर जमानत दे दी। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद को देवघर कोषागार से अवैध निकासी के मामले में सीबीआई कोर्ट ने साढ़े तीन साल की सजा सुनायी है। इस मामले में वह डेढ़ साल से जेल में है। करीब आधी सजा वह काट चुके हैं। लालू प्रसाद ने इसी आधार पर जमानत देने के लिए याचिका दायर की थी। आधी सजा काटने पर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने कई आरोपियों को जमानत प्रदान की है। इसी को आधार बनाते हुए लालू प्रसाद ने जमानत याचिका दायर की थी। इसी मामले में सीबीआई की ओर से पहले ही एक याचिका दायर की गई है। इसमें हाईकोर्ट से साढ़े तीन साल की सजा को बढ़ाने का आग्रह किया गया है। सीबीआई का कहना है कि लालू के साथ अन्य कई आरोपियों को पांच साल की सजा सुनायी गयी है।

विधायक नितेश राणे को अदालत से मिली जमानत

संवाददाता

मुंबई, इंजीनियर के ऊपर कीचड़ डालने के आरोप में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नारायण राणे के (कांग्रेस) विधायक बेटे नितेश राणे को मुंबई की सिंधुदुर्ग अदालत ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने नितेश को २०,००० के मुचलके पर छोड़ते हुए दोबारा ऐसी गलती पर आगाह किया, वहीं प्रत्येक रविवार उन्हें कंकावली कोर्ट जाने की हिदायत दी।

इससे पहले कंकावली कोर्ट ने उन्हें समर्थकों सहित २३ जुलाई तक जेल भेजने का आदेश सुनाया था। पहले नितेश समेत उनके समर्थकों को अदालत ने ९ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा था। बता दें कि नितेश राणे और समर्थकों ने इंजीनियर पर बाल्टी भरकर कीचड़ डाल दिया था। नितेश पर समर्थकों के साथ मिलकर इंजीनियर को रस्सी

से बांधे जाने का भी आरोप है। घटना पिछले गुरुवार की है, लेकिन इसका वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा मचा। हालांकि बाद में नितेश ने कहा कि इंजीनियर पर कीचड़ इसलिए डलवाया, ताकि वह समझ सकें कि जनता को क्या-क्या परेशानी झेलनी पड़ती है। बाद में मामले ने तूल पकड़ा तो नितेश ने कंकावली थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर उनके ४०-५० समर्थकों के खिलाफ धारा ३५३, ३४२, ३३२, ३२४, ३२३, १२०(ए), १४७ आदि के तहत केस दर्ज कर लिया।

पुल का निरीक्षण करने पहुंचे थे

सिंधुदुर्ग के एसपी दीक्षित गेदम ने बताया कि नितेश और उनके दो समर्थकों को सरेंडर के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया था कि नितेश राणे मुंबई-गोवा राजमार्ग के पास बने एक पुल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने पुल के इंजीनियर प्रकाश शेडकर के साथ बदसलूकी की। इसके बाद समर्थकों के साथ मिलकर राणे ने इंजीनियर पर बाल्टी से कीचड़ डलवा दिया।

सरकार की बड़ी कार्रवाई, खालिस्तान समर्थक

'सिख फॉर जस्टिस' पर लगाया प्रतिबंध

भारत ने खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया है। अलगाववाद एजेंडे के चलते केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया है। अप्रैल में मोदी सरकार के अनुरोध पर पाकिस्तान ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। इससे पहले कई बार आईएसआई द्वारा इस संगठन के जरिए पंजाब में माहौल बिगाड़ने की खबरें सामने आ चुकी हैं।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक कैबिनेट ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में रहने वाले इस संगठन के सदस्यों पर यूएपीए एक्ट के तहत प्रतिबंधित किया है। इनके कई सोशल मीडिया हैंडल भी ब्लॉक किए गए हैं।

रक्षा एजेंसियों ने लंबे समय से खालिस्तान ग्रुप सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी हुई थीं। आरोप था कि यह संगठन खालिस्तान जनमत संग्रह में शामिल होने के लिए आने वाले लोगों को मुफ्त हवाई टिकट दे रहा था। उधर, गृह मंत्रालय के सूत्र की मानें तो वांटेड खालिस्तानी आतंकवादी परमजीत सिंह पम्मा को भारत-इंग्लैंड विश्व कप मैच के दौरान देखा गया था। वह सिख फॉर जस्टिस से भी जुड़ा हुआ है।

यह संगठन अपने अलगाववादी विचारधारा के प्रचार के लिए करतारपुर कॉरिडोर का उपयोग करना चाहता था। इस बात के कोई ठोस सबूत नहीं हैं कि पाक ने समूह पर अंकुश लगाया है या प्रतिबंध लगाया है। १४ तारीख को करतारपुर वार्ता के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षा के संबंध में भारत द्वारा मुद्दा उठाए जाने की संभावना है।

शादी से इनकार किया, तो काटा प्राइवेट पार्ट

भिवंडी: तलाकशुदा महिला को शादी का झांसा देकर एक युवक एक वर्ष तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। युवक ने जब शादी से इनकार कर दिया, तो महिला ने चाकू से उसके प्राइवेट पार्ट पर वार कर दिए। नवी बस्ती के केजीएन चौक के पास रहने वाले फकरू खान (३०) के पड़ोस में ही आरोपी महिला रहती थी। शादी से इनकार करने के बाद दोनों में वाद-विवाद हो गया था। गंभीर रूप से घायल फकरू खान को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, फकरू के विरुद्ध भी बलात्कार का मामला दर्ज हुआ है।

डिफॉल्टर कंपनियों पर मेहरबान हुई बीएमसी

मुंबई : ठेकेदारों पर बीएमसी की मेहरबानी जारी है। बीएमसी अस्पतालों में १३५ करोड़ रुपये के इंजेक्शन आपूर्ति के टेंडर में पहले भी सप्लाई में कई बार डिफॉल्ट करने वाली कंपनियों को फिर यह काम दिया जा रहा है। हालांकि, इन कंपनियों को नए टेंडर में काम न देने का आदेश पहले ही जारी किया जा चुका है। नगरसेवक इस फैसले को सरासर मनमानी और भ्रष्टाचार की इंतहा बता रहे हैं। मंगलवार को स्थायी समिति की मंजूरी के लिए इन टेंडर्स का प्रस्ताव रखा गया है।

बीएमसी ने दो साल के लिए अस्पतालों में वैक्सीन और इंजेक्शन खरीदने के टेंडर निकाले हैं। १३५ करोड़ रुपये के इन टेंडर्स में विभिन्न इंजेक्शनों की आपूर्ति का काम कई कंपनियों को दिया गया है। इनमें से पांच कंपनियों को ५९ तरह के प्रॉडक्ट सप्लाई का काम दिया गया है, जो १५ करोड़ रुपये से ज्यादा का है। इन कंपनियों ने पिछली बार अस्पतालों में आपूर्ति करने में बार-बार देरी की थी, तब अस्पतालों में इंजेक्शनों और दवाओं की कमी का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच कराई थी।

इसमें यह खुलासा हुआ था कि दवा कंपनियों ने कई बार आपूर्ति नहीं की थी। कई महीनों तक कार्रवाई को लेकर टाल-मटोल करने के बाद बीएमसी ने उनमें दो कंपनियों को ब्लैक-लिस्ट किया था। बाकी से जवाब मांगे थे।

कर्नाटक में उठापटक जारी, किसकी क्या रहेगी भूमिका?

कर्नाटक में एक बार फिर अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई है। अबतक सत्ताधारी गठबंधन के एक दर्जन से अधिक विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। इससे जनता दल सेक्युलर और कांग्रेस की गठबंधन सरकार संकट में घिर गई है।

राज्य विधानसभा का सत्र १२ जुलाई को शुरू होने वाला है। ऐसे में, आने वाले कुछ दिनों में यह गठबंधन सरकार बचेगी या गिरेगी, इस सवाल का जवाब कई बातों पर निर्भर करेगा। सरकार बचाने या उसे गिराने की लड़ाई न सिर्फ बेंगलुरु की गलियों में, बल्कि मुंबई, सुप्रीम कोर्ट और विधानसभा मे भी लड़ी जा रही है।

ऐसी स्थिति में क्या हालात पैदा हो सकते हैं?

जानिए, विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार, राज्यपाल वजुभाई वाला, मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी और सुप्रीम कोर्ट की आने वाले दिनों में क्या भूमिका रह सकती है।

विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका

स्पीकर ने तीन बाग़ी विधायकों को १२ जुलाई दोपहर बाद तक और दो अन्य को १५ जुलाई तक पेश होने कहा है। किसी भी चुने हुए प्रतिनिधि के लिए जरूरी है कि वह खुद को पीठासीन अधिकारी के सामने पेश करे ताकि स्पीकर संतुष्ट हो कि विधायक जो भी कर रहा है, अपनी इच्छा से कर रहा है न कि किसी दबाव के चलते।

विधानसभा अध्यक्ष तुरंत इस्तीफों को स्वीकार या अस्वीकार करने का आदेश दे सकते हैं। जिन विधायकों को स्पीकर ने अपने सामने पेश होने को कहा है, वे कांग्रेस के वफादार माने जाते हैं। ऐसे में उनके इस्तीफा वापस लेने की संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। अयोग्य ठहरा दिए जाने की धमकी की संभावना भी उन्हें इस्तीफा देने से फैसले से पीछे हटा सकती है।

कांग्रेस पार्टी ने इन बाग़ी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की याचिका डाली है। ऐसे में इन विधायकों के भविष्य का फैसला करते हुए स्पीकर इस याचिका पर भी विचार कर सकते हैं। १२ को वह तब भी आदेश सुना सकते हैं जब विधायकों के इस्तीफे 'निर्धारित प्रारूप' में न हों। भले ही विधानसभा अध्यक्ष ने पिछले २४ घंटों में तेजी दिखाई है मगर उनके लिए इन त्याग पत्रों पर फैसला लेने के लिए कोई तय समयसीमा नहीं है।

राज्यपाल की भूमिका

बाग़ी विधायकों के इस्तीफे की प्रतियों और बीजेपी की ओर से सौंपे गए पत्र के आधार पर राज्यपाल कर्नाटक के मुख्यमंत्री को निर्देश दे सकते हैं कि वह विधानसभा में विश्वास मत हासिल करें। वह मुख्यमंत्री को १२ जुलाई से पहले ही ऐसा करने के लिए कह सकते हैं। राज्यपाल इस बात की सिफारिश भी कर सकते हैं कि फिलहाल विधानसभा को निलंबित रखा जाए।

सुप्रीम कोर्ट की भूमिका

सुप्रीम कोर्ट के पास अधिकार नहीं है कि वह विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियों के ऊपर कोई आदेश दे। सुप्रीम कोर्ट विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने का आदेश नहीं दे सकता। वह बाद में तब कोई आदेश दे सकता है जब बाग़ी विधायक किसी तरह की क़ानूनी मदद चाहें। हालांकि, सुनवाई के दौरान कोर्ट की ओर से की जाने वाली टिप्पणियों को राजनीतिक दल बाद में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दौरान इस्तेमाल कर सकते हैं।

फेसबुक पर हुई दोस्ती तो शादी का झांसा देकर किया रेप

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में अंततः समझौता हो गया। मुकदमे की तलवार गर्दन पर लटकते ही कारोबारी का बेटा पीड़िता के साथ निकाह को राजी हो गया। सोमवार रात करूला में दोनों पक्षों की मौजूदगी में निकाह की औपचारिकताएं भी पूरी की गईं। इसकी पुष्टि महिला थाना पुलिस ने भी की। पीड़िता कटघर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। पिता प्राईवेट नौकरी करते हैं। फेसबुक के जरिए उसकी दोस्ती अमरोहा के जोया निवासी कपड़ा कारोबारी के बेटे से हुई थी। कुछ दिन बाद ही दोस्ती नजदीकी रिश्तों में बदल गई थी। शादी का झांसा देकर मुरादाबाद और अमरोहा के होटल में शारीरिक संबंध भी बनाए गए थे। अश्लील वीडियो भी बना ली थी। अचानक शादी से इनकार कर दिया। पीड़िता ने एसएसपी अमित पाठक से कार्रवाई की गुहार लगाई थी। महिला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही थी। मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की जानी थी। इसी बीच सोमवार रात आरोपी कपड़ा व्यापारी ने परिवार वालों की मौजूदगी में निकाह कर लिया। मंगलवार सुबह उसने महिला थाना पुलिस को इसकी जानकारी भी दी।

असम के ८ जिलों में बाढ़ जैसे हालात, यूपी और बिहार समेत इन राज्यों में हो सकती है भारी बारिश

असम में पिछले दो दिन से लगातार बारिश होने से बाढ़ के हालात बन गए हैं। राज्य के ८ जिलों में ६२ हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

असम के आठ राज्यों में बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य आपदा विभाग के मुताबिक १४५ गांव पानी में डूब गए हैं। वहीं, ३,४३५ हेक्टेयर में फसल को नुकसान पहुंचा है। धेमाजी, लखीमपुर, विश्वनाथ, बारपेटा, गोलाघाट, जोरहाट और डिब्रूगढ़ जिलों में ज्यादा नुकसान हुआ है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में मंगलवार को भारी बारिश हुई। तेज बारिश की वजह

से पटना के कई इलाकों में घुटने तक पानी भर गया। वहीं, मौसम विभाग ने १० से १३ जुलाई के बीच उत्तराखंड, यूपी, बिहार, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल में भारी बारिश के आसार जताए हैं।

दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में भी बारिश की संभावना है। बुधवार को नॉर्थ-ईस्ट में भी भारी बारिश का अलर्ट है। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को बोमडिला के पास बादल फट गया। इससे आई बाढ़ में करीब ८०० लोगों के फंसे होने की खबर है, जबकि २० लोग लापता हैं।

चेक रिटर्न होने वालों होंगे कोर्ट केस

कल्याण: ३१ मार्च तक कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने हाउस टैक्स की वसूली जोर-शोर से की थी, जिसमें कुछ लोगों ने चेक भी दिए थे। इनमें से ११२ लोगों के चेक रिटर्न हो गए थे। मनपा अब ६६ लोगों पर मनपा कोर्ट में केस करने जा रही है।

कल्याण-डोंबिवली मनपा की कमाई हाउस टैक्स से ही होती है। स्थायी समिति ने प्रशासन से पूछा था कि जिन लोगों के चेक रिटर्न हुए हैं, उन पर क्या कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद मनपा कोर्ट में मामला दर्ज कराने का फैसला लिया गया। इस विभाग के अधिकारी कुलकर्णी ने बताया कि ऐसे लोगों को नोटिस भेज दिए गए हैं।

सरकार ने पॉक्सो कानून में बदलाव को मंजूरी दी, मृत्युदंड का प्रावधान शामिल

केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को बच्चों के खिलाफ अपराध से निपटने वाले पॉक्सो कानून में संशोधनों को मंजूरी दी और बच्चों के खिलाफ यौन अपराध करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) कानून में संशोधन में बाल पोर्नोग्राफी पर लगाम लगाने के लिए सजा और जुर्माने का भी प्रावधान शामिल है।

सरकार ने कहा कि इन संशोधनों से बाल यौन उत्पीड़न पर अंकुश लगने की उम्मीद है क्योंकि कानून में शामिल किए गए मजबूत दंडात्मक प्रावधान निवारक का काम करेंगे।

सरकार ने कहा, 'इसकी मंशा परेशानी में फंसे असुरक्षित बच्चों के हितों का संरक्षण करना और उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने की है। संशोधन का उद्देश्य बाल उत्पीड़न के पहलुओं और इसकी सजा के संबंध में स्पष्टता लेकर आने का है।'

कैंसिल टिकटों से रेलवे ने कमाए इतने करोड़, विश्वास करना होगा मुश्किल!

नई दिल्ली : रेलवे को यात्री टिकटों की बिक्री के साथ ही टिकट निरस्त किये जाने से भी मोटी कमाई हो रही है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) से पता चला है कि वित्त वर्ष २०१८-१९ में टिकट रद्द किये जाने के बदले यात्रियों से वसूले गये प्रभार से रेलवे के खजाने में लगभग १,५३६.८५ करोड़ रुपये जमा हुए। मध्यप्रदेश के नीमच निवासी आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने

शुक्रवार को बताया कि उन्हें रेल मंत्रालय के रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) से अलग-अलग अर्जियों पर यह जानकारी मिली है। आरटीआई आवेदन में पूछे गये सवालों के जवाब के मुताबिक रेलवे ने आरक्षित टिकटों के निरस्तीकरण से १,५१८.६२ करोड़ रुपये कमाये। अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस) के तहत बुक यात्री टिकटों को रद्द कराये जाने से रेलवे ने १८.२३ करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। गौड़ ने अपनी आरटीआई अर्जी में रेलवे से यह भी जानना चाहा था कि क्या टिकट रद्द करने के बदले यात्रियों से वसूले जाने वाले शुल्क को घटाने के किसी प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है? आरटीआई कार्यकर्ता ने कहा, 'इस सवाल के जवाब का मुझे अब तक इंतजार है।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com